बगुला भगत

अभ्यास

2.

क) मछलियाँ कहाँ रहती थी?

Ans. मछलियाँ तालाब में रहती थीं।

ख) तालाब के किनारे कौन रहता था।

Ans तालाब के किनारे बगुला रहता था।

ग) बगुला मछलियों का कहाँ ले जाकर मारता था?

Ans. बगुला मछलियों को लेकर तालाब के पास एक चट्टान पर मारता था।

घ) मछलियाँ बगुले को क्या कहकर पुकारती थी।

Ans. मछलियाँ बगुले को मामा कहकर बुलाती थी।

SANTOSHI
PAGE :
DATE : / /

लिखित

1.

क) "मैं" एक-एक करके तुम सबको अपनी चोंच में पकड़कर दूर एक बड़े तालाब में छोड़ आऊँगा। [3]

ख) धूर्त और दुष्ट व्यक्ति सदा सुखी नहीं रहता [4]

ग) चट्टान के पास मछलियों की हड्डियों का ढेर लगा गया [4]

घ) कछुआ पीड़ा से कराह उठा [6]

ङ) एक तालाब में पानी सूखता जा रहा है था [1]

च) "मैं तुम्हारी चोंच में टिककर नहीं चल सकता। कहो तो गरदन पर बैठकर चलूँ?" [5]

छ) मछलियाँ धूर्त बगुले की चाल में आ गई। [2]

2.

क) बगुला तालाब के किनारे किसका वेश बनाकर बैठा था और वह क्या सोच रहा था?

Ans. बगुला तालाब के किनारे साधु का वेश बनाकर बैठा। बगुला तालाब की मछलियों से अपना पेट भरने का उपाय सोच रहा था।

ख) मृत्यु के मुख से बचने के लिए बगुले ने मछलियों को क्या उपाय बताया?

Ans बगुले ने मछलियों को मृत्यु के मुख से बचने का यह उपाय बताया कि वह एक एक करके सभी मछलियों को अपनी चोंच में पकड़कर दूर एक बड़े तालाब में छोड़ आएगा।

ग) बगुला मछलियों का क्या करता था?

Ans. बगुला तालाब में से एक मछली ले जाती और दूर जंगल के एक बड़े तालाब के किनारे बड़ी चट्टान पर बैठ उसे मारकर खा जाता।

SANTOSHI
PAGE :
DATE : / /

घ) ~~बगुला~~ केकड़ा बगुले की धूर्तता से कैसे परिचित हुआ? उसने अपनी जान कैसे बचाई?

Ans. केकड़ा चालाक था। उसे बगुले पर विश्वास नहीं था, इसलिए उसने शर्त रखी कि वह बगुले की गर्दन पर बैठकर चलेगा। जब केकड़ा चट्टान के पास पहुँचा, तो हड्डियों के ढेर को देखकर सब कुछ समझ गया। उसने बगुले की गर्दन में डंक गड़ाए और उसे तालाब तक चलने पर मजबूर कर दिया। तालाब के किनारे पहुँच उसने बगुले की गर्दन काटकर उसे खत्म कर दिया। इस प्रकार अपनी सूझ-बूझ से केकड़े ने अपनी जान बचाई।

<u>भाषाज्ञान</u>

1.

मछली - मछलियाँ	बगुला - बगुले
हड्डी - हड्डियाँ	केकड़ा - केकड़े
कलि - कलियाँ	हवा - हवाएँ
नदी - नदियाँ	दिशा - दिशाएँ
नाली - नालियाँ	पर्ची - पर्चीएँ

2.

गर्मी - सर्दी	भला - बुरा	दूर - पास
उदास - प्रसन्न	दिन - रात	ठीक - ~~[illegible]~~ गलत
मृत्यु - जीवन	धीरे - तेज	

3.

क) गरमी ______ का मौसम था।

ख) मछलियों ______ ने घबराकर कहा।

ग) इस कहानी के लेखक का नाम ______
~~हरेकृष्णा देव~~ हरिकृष्ण देवसरे है।